>

Title: Need to check the spread of Swine Flu in Maharashtra.

श्री गोपीनाथ मुंडे (बीड): अध्यक्ष महोदया, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया। आज देश में स्वाइन फ्लू और मलेरिया के कारण इन तीन महीनों में लगभग 952 लोगों की मौत हो गई है। महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली में ज्यादा मौतें हो रही हैं। इन प्रदेशों में स्वाइन फ्लू और मलेरिया से लगभग 100 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। यह कहा गया है कि इस साल मानसून ज्यादा है। जब बरसात लगातार होती है तो स्वाइन फ्लू और मलेरिया बढ़ता है। सवाल यह है कि सारे प्रदेशों में वैक्सीन नहीं है, मलेरिया और स्वाइन फ्लू के लिए दवा नहीं है। मंत्री जी ने कहा है कि एक टीका आ गया है, इसे पहले लेने से एक साल स्वाइन फ्लू नहीं होता है। यह दवा मार्किट में उपलब्ध नहीं है। इसकी प्राइस 350 रुपए है। अगर स्वाइन फ्लू या मलेरिया होता है तो मौत निश्चित है। यह समस्या महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा है और सिर्फ महाराष्ट्र में 450 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है।

13.00 hrs.

राज्य सरकार और केन्द्र सरकार दोनों मिलकर लोगों की जान बचाने में विफल हो चुकी हैं। स्वाइन फ्लू होने के बाद उसका टैस्टिंग किसी प्राइवेट हास्पिटल में या किसी भी प्राइवेट डाक्टर के पास नहीं होता। इसकी प्रयोगशालाएं केवल सरकारी अस्पतालों में हैं। इतने बड़ी 12 करोड़ की आबादी वाले महाराष्ट्र राज्य में केवल तीन-चार जगह ऐसी सुविधाएं हैं। स्वाइन फ्लू और मलेरिया का टैस्ट करने के लिए लोगों की लाइने लग चुकी हैं। इनके टैस्ट आप प्राइवेट को क्यों अलाऊ नहीं करते या सरकारी दवाखानों में इस प्रकार की सुविधा होनी चाहिए। इसीलिए मलेरिया, डेंगू और स्वाइन फ्लू से आज ज्यादा लोगों की मौतें हो रही हैं। इसलिए राज्य सरकार और केन्द्र सरकार को आपस में मिलकर इसके लिए कोई योजना बनानी चाहिए।

महोदया, मैं बताना चाहता हूं कि ये बीमारियां गरीब लोगों को ज्यादा होती हैं। अमीर लोगों को नहीं होती हैं। चूंकि ये बीमारियां गरीबों को ज्यादा होती हैं, इसलिए उनकी मदद करने और इसे रोकने के लिए पहले ही प्रयास करने चाहिए। मलेरिया के लिए जो औषधि मई महीने में आ जाती थी, वह पिछले तीन साल से केन्द्र सरकार ने राज्यों को नहीं भेजी है। इसके कारण लोगों की जानों को बहुत बड़ा खतरा पैदा हो गया है। अब तक इन बीमारियों के कारण 956 जानें जा चुकी हैं। हजारों लोग बीमार हैं और उनकी टैस्टिंग भी नहीं हो पा रही हैं। मैं कहना चाहता हूं कि इसके लिए केन्द्र और राज्य सरकार को मिलकर प्रयास करना चाहिए और कोई योजना घोषित करनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदया : डा. प्रसन्न कुमार पाटसाणी,

श्री रामकिशुन और

श्री नीरज शेखर,

श्री अर्जुन चरण सेठी इस विषय से अपने आपको सम्बद्ध करते हैं।

I have a very long list of hon. Members who want to speak in the "Zero Hour."

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये। कृपया बैठ जाइये और हमें कुछ बोलने दीजिए। आप भी बैठ जाइये। हम सबको शून्य प्रहर में बोलने का मौका देना चाहते हैं। इसलिए अगर सदन की सहमति हो तो आज भोजनावकाश स्थगित कर दिया जाए। हम सभी को बोलने का मौका देना चाहते हैं, इसलिए कृपया आप सब लोग धैर्यपूर्वक दूसरे को बोलते हुए सुने।

SHRI DATTA MEGHE (WARDHA): Madam Speaker, what about Matters under Rule 377?

MADAM SPEAKER: We will do that also, but let me do the "Zero Hour."

Shri Ramen Deka.